Sl. No. :

नामांक Roll No.

No. of Questions — 28

No. of Printed Pages — 11

P—01—Hindi

प्रवेशिका परीक्षा, 2021

PRAVESHIKA EXAMINATION, 2021

हिंदी

समय : $3\frac{1}{4}$ घंटे

पूर्णांक : 40

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

(1) परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यतः लिखें ।

(2) सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं ।

(3) प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें ।

(4) जिन प्रश्नों के आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें ।

(5) प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।

(6) प्रश्नों का अंकभार निम्नानुसार हैं ।

खण्ड	प्रश्नों की संख्या	अंक प्रत्येक प्रश्न	कुल अंकभार
खण्ड - अ (A)	1 (i से x), 2 to 11	$\frac{1}{2}$	10
खण्ड - ब (B)	12 से 19 = 8	1	8
खण्ड - स (C)	20 से 23 = 4	2	8
खण्ड - द (D)	24 से 25 = 2	$2\frac{1}{2}$	5
खण्ड - य (E)	26 से 28 = 3	3	9

खण्ड - अ

1. निम्नांकित प्रश्नों में दिए गए सही विकल्प का चयन कर अपनी उत्तर पुस्तिका में लिखिए :

(प्रत्येक प्रश्न **एक** अंक का है ।) $10 \times \frac{1}{2} = 5$

(i) 'बाढ़पीड़ित' शब्द में कौन-सा समास है ?

(अ) कर्म तत्पुरुष समास (ब) अपादान तत्पुरुष समास

(स) करण तत्पुरुष समास (द) संबंध तत्पुरुष समास ।

(ii) 'नीलकंठ' शब्द में निम्नांकित में से कौन-सा समास है ?

(अ) कर्मधारय समास (ब) बहुव्रीहि समास

(स) अव्ययीभाव समास (द) द्वन्द्व समास ।

(iii) जिस समास के पहले तथा दूसरे पद में विशेषण, विशेष्य अथवा उपमान-उपमेय का संबंध होता है, वह समास है

(अ) अव्ययीभाव समास (ब) तत्पुरुष समास

(स) कर्मधारय समास (द) द्विगु समास ।

(iv) जिस समास में पद का रूप लिङ्ग (लिंग), वचन, कारक में नहीं बदलता है, वह समास कहलाता है

(अ) द्विगु समास (ब) अव्ययीभाव समास

(स) द्वन्द्व समास (द) बहुव्रीहि समास ।

(v) निम्नलिखित में से वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है

(अ) आधीन (ब) मूर्ती

(स) दांत (द) नीति ।

(vi) निम्नलिखित में से वर्तनी की दृष्टि से शुद्ध शब्द है

(अ) अनुग्रह (ब) अगामी

(स) काच (द) उज्वल ।

(vii) निम्नलिखित में से **अशुद्ध** शब्द है

(अ) अहोरात्र (ब) दुरवस्था

(स) बेफिजूल (द) अभयारण्य ।

(viii) निम्नलिखित में से **अशुद्ध** शब्द है

(अ) ओद्योगिक (ब) निरभिमान

(स) युवावस्था (द) मर्यादा ।

(ix) 'सूरदास' के गुरु का नाम है

(अ) नरहरिदास (ब) हरिकृष्ण आचार्य

(स) रामकृष्ण परमहंस (द) वल्लभाचार्य ।

(x) 'आषाढ़ का एक दिन' नामक कृति है

(अ) उपन्यास (ब) नाटक

(स) कहानी संग्रह (द) निबंध संग्रह ।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक शब्द / एक पंक्ति में लिखिए :

प्रश्न क्रमांक **02** से **08** तक के सभी प्रश्नों के अंकभार प्रति प्रश्न एक अंक है । $7 \times \frac{1}{2} = 3\frac{1}{2}$

2. 'लक्ष्मण-परशुराम संवाद' रामचरितमानस के किस 'काण्ड' से लिया गया है ? 'काण्ड' का नाम लिखिए ।

3. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की औपचारिक शिक्षा कौन-से स्तर तक हुयी थी ?

4. जयशंकर प्रसाद जी ने कौन-सी मासिक पत्रिका का संपादन किया था ?

5. हामिद के पिता की मृत्यु किस रोग से हुई थी ?

6. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी द्वारा लिखित ग्रन्थों की संख्या लिखिए ।

7. 'हवा से बातें करना' मुहावरे का अर्थ लिखिए ।

8. 'नाम बड़े और दर्शन छोटे' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए ।

दिए गए प्रश्नों में रिक्त स्थान की पूर्ति कर उत्तर-पुस्तिका में लिखिए । प्रत्येक प्रश्न एक अंक का है । $3 \times \frac{1}{2} = 1\frac{1}{2}$

9. .... कविता में कवि नागार्जुन का प्रकृति प्रेम सहज रूप से मुखरित हुआ है ।

10. हामिद ने .... पैसे में रंग जमा लिया ।

11. "तुम्हारी निन्दा वही करेगा, जिसकी तुमने .... की है ।"

खण्ड - ब

निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए । प्रत्येक प्रश्न **दो** अंक का है । $8 \times 1 = 8$

12. 'झाँसी की रानी' कविता का केन्द्रीय भाव संक्षेप में लिखिए ।

13. 'ऊधौ मन माने की बात' नामक पद में गोपियों ने 'विषकीड़ा' और 'चकोर' की कौन-सी विशेषताएँ बताई हैं ? संक्षेप में लिखिए ।

14. "अनादि तेरी अनन्त माया" – 'प्रभो' नामक कविता के आधार पर प्रदत्त काव्य-पंक्ति को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए ।

15. ईर्ष्या का कौन-सा पक्ष लाभदायक हो सकता है ?

16. लेखक 'मोहन राकेश' अपने कौन-से 'प्रयत्न की सार्थकता' से सन्तुष्ट हो गए ? 'आख़िरी चट्टान' अध्याय के आधार पर संक्षेप में लिखिए ।

17. हामिद ने अपने चिमटे को 'रुस्तमे-हिंद' क्यों कहा ?

18. 'रंग चढ़ना' मुहावरे का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए । $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$

19. 'जब तक साँस, तब तक आस' लोकोक्ति का अर्थ बताते हुए वाक्य में प्रयोग कीजिए । $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 1$

खण्ड - स

20. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + 1 = 2$

हम दीवानों की क्या हस्ती
'हैं आज यहाँ कल वहाँ चले'
मस्ती का आलम साथ चला
हम धूल उड़ाते जहाँ चले ।
आए बनकर उल्लास अभी,
आँसू बनकर बह चले अभी ।
सब कहते ही रह गए, अरे ?
तुम कैसे आए, कहाँ चले ?

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । $\frac{1}{2}$

(ब) दीवाने अपने स्वभाव के संबंध में क्या बता रहे हैं ? $\frac{1}{2}$

(स) 'आए बनकर उल्लास अभी, आँसू बनकर बह चले अभी,' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । 1

अथवा

निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + 1 = 2$

संकटों से वीर घबराते नहीं,
आपदाएँ देख छिप जाते नहीं ।
लग गए जिस काम में, पूरा किया,
काम करके व्यर्थ पछताते नहीं ।
हो सरल अथवा कठिन हो रास्ता,
कर्मवीरों को न इससे वास्ता ।
बढ़ चले तो अंत तक ही बढ़ चले,
कठिनतर गिरिश्रृंग ऊपर चढ़ चले ।

(अ) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए । $\frac{1}{2}$

(ब) 'गिरिश्रृंग' शब्द का अर्थ लिखिए । $\frac{1}{2}$

(स) दिए गए काव्यांश में से वीरों की कोई दो विशेषताएँ लिखिए । 1

निम्नलिखित लघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर निर्धारित शब्द-सीमा में लिखिए ।

21. 'प्रभो' कविता के आधार पर 'जयशंकर प्रसाद जी' की भाषा-शैली का विश्लेषण कीजिए ।

(शब्द-सीमा लगभग **40** शब्द) 2

अथवा

सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' जी की कविता 'अभी न होगा मेरा अंत' का केन्द्रीय भाव लिखिए ।

(शब्द-सीमा लगभग **40** शब्द) 2

22. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी ने अपना यश चिरस्थायी रखने के लिए क्या उपाय सोचे और उनका परित्याग क्यों किया ? (शब्द-सीमा लगभग **40** शब्द) $1 + 1 = 2$

अथवा

अमीना को हामिद पर क्यों क्रोध आया ? क्रोध स्नेह में किस प्रकार परिवर्तित हो गया ?

(शब्द-सीमा लगभग **40** शब्द) $\frac{1}{2} + 1\frac{1}{2} = 2$

23. निम्नलिखित साहित्यकारों में से किसी एक का जीवन व कृतित्व परिचय लगभग **40** शब्दों में लिखिए । $1 + 1 = 2$

सुभद्रा कुमारी चौहान

अथवा

मोहन राकेश

खण्ड - द

24. (i) (ii) (iii) (iv) (v)

उपर्युक्त प्रदर्शित यातायात चिह्नों का सांकेतिक अर्थ लिखिए । $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 2\frac{1}{2}$

अथवा

सड़क-सुरक्षा हेतु किन्हीं पाँच कर्त्तव्यों को लिखिए । $\frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} + \frac{1}{2} = 2\frac{1}{2}$

25. स्वयं को जिलाधीश मेरठ मानते हुए समस्त राजकीय व गैर राजकीय विद्यालयों के संस्था-प्रधानों को एक पत्र लिखिए, जिसमें कोविड-19 से बचाव हेतु समस्त आवश्यक कार्य प्रतिदिन विद्यालय में करने हेतु निर्देशित किया गया हो । $2\frac{1}{2}$

अथवा

स्वयं को नागपुर निवासी राजेश मानते हुए यातायात पुलिस अधीक्षक, नागपुर को एक पत्र लिखिए, जिसमें 18 वर्ष से कम उम्र के बालक-बालिकाओं द्वारा वाहन-चालन को पूर्णतः प्रतिबन्धित करने की मांग हो । $2\frac{1}{2}$

खण्ड - य

26. दिए गए बिन्दुओं के आधार पर निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग **300** शब्दों में निबन्ध लिखिए : 3

(अ) आँखों देखी दुर्घटना

(i) भूमिका

(ii) दुर्घटना : कब, कहाँ, कैसे ?

(iii) बचाव, राहत कार्य

(iv) दुर्घटनाएँ कैसे रोकें ?

(v) उपसंहार ।

अथवा

(ब) बढ़ती तकनीक - सुविधा या समस्या

(i) भूमिका

(ii) विभिन्न क्षेत्रों में तकनीक से प्राप्त सुविधाएँ

(iii) तकनीकों से उत्पन्न समस्यायें

(iv) समस्याओं का उपयुक्त समाधान

(v) उपसंहार ।

अथवा

(स) वन रहेंगे - हम रहेंगे

(i) भूमिका

(ii) वन जीवन के आधार

(iii) वनों की वर्तमान स्थिति

(iv) वनों की स्थिति-सुधार में हमारा योगदान

(v) उपसंहार ।

अथवा

(द) अनुशासन

(i) भूमिका

(ii) अनुशासन का महत्त्व

(iii) जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अनुशासन का स्थान

(iv) अनुशासनहीनता के दुष्परिणाम

(v) उपसंहार ।

27. निम्नलिखित पठित पद्यांश में से किसी एक की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(अ) कौसिक सुनहु मंद यहु बालकु । कुटिल काल बस निजकुल घालकु ।।
भानु बंस राकेस कलंकू । निपट निरंकुस अबुध असंकू ।।
काल कवलु होइहि छन माहीं । कहऊँ पुकारि खोरि मोहि नाहीं ।।
तुम्ह हटकहु जौं चहहु उबारा । कहि प्रतापु बलु रोषु हमारा ।।
लखन कहहु मुनि सुजसु तुम्हारा । तुम्हहि अछत को बरनै पारा ।।
अपने मुँह तुम्ह आपनि करनी । बार अनेक भाँति बहु बरनी ।।
नहिं संतोषु त पुनि कछु कहहू । जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू ।।
बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा । गारी देत न पावहु सोभा ।।
सूर समर करनी करहिं, कहि न जनावहिं आपु ।
विद्यमान रन पाइ रिपु, कायर कथहिं प्रतापु ।। 1 + 2 = 3

अथवा

(ब) जीवन के रथ पर चढ़कर
सदा मृत्यु पथ पर बढ़कर
महाकाल के खरतर शर सह
सकूँ, मुझे तू कर दृढ़तर;
जागे मेरे उर में तेरी
मूर्ति अश्रु जल धौत विमल
दृग जल से पा बल बलि कर दूँ
जननि, जन्म श्रम संचित फल । 1 + 2 = 3

अथवा

(स) ऊपर-ही-ऊपर तन गए हैं
तुम्हारे तंबू,
और आज
छमका रही है पावस रानी
बूँदा-बूँदियों की अपनी पायल,
और आज
चालू हो गई है
झींगुरों की शहनाई अविराम,
और आज
जोरों से कूक पड़े
नाचते थिरकते मोर
और आज
आ गई वापस जान
दूब की झुलसी शिराओं के अन्दर,
और आज विदा हुआ चुपचाप ग्रीष्म,
समेटकर अपने लाव-लश्कर । 1 + 2 = 3

28. निम्नलिखित पठित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(अ) पढ़ने-लिखने में स्वयं कोई बात ऐसी नहीं जिससे अनर्थ हो सके । अनर्थ का बीज उसमें हरगिज़ नहीं । अनर्थ पुरुषों से भी होते हैं । अपढ़ों और पढ़े-लिखों, दोनों से । अनर्थ, दुराचार और पापाचार के कारण और ही होते हैं और वे व्यक्ति-विशेष का चाल-चलन देखकर जाने भी जा सकते हैं । अतएव स्त्रियों को अवश्य पढ़ाना चाहिए ।

जो लोग यह कहते हैं कि पुराने जमाने में यहाँ स्त्रियाँ न पढ़ती थीं अथवा उन्हें पढ़ने की मुमानियत थी वे या तो इतिहास से अभिज्ञता नहीं रखते या जान-बूझकर लोगों को धोखा देते हैं । समाज की दृष्टि में ऐसे लोग दंडनीय हैं । 1 + 2 = 3

अथवा

(ब) ईर्ष्या की बेटी का नाम निन्दा है, जो व्यक्ति ईर्ष्यालु होता है वही बुरे किस्म का निन्दक भी होता है । दूसरों की निन्दा वह इसलिए करता है कि इस प्रकार दूसरे लोग ज़नता अथवा मित्रों की आँखों से गिर जाएँगे और जो स्थान है उस पर मैं अनायास ही बैठा दिया जाऊँगा । मगर ऐसा न आज तक हुआ है और न होगा । दूसरों को गिराने की कोशिश तो अपने को बढ़ाने की कोशिश नहीं कही जा सकती । एक बात और है कि संसार में कोई भी मनुष्य दूसरों की निन्दा करने से अपनी उन्नति नहीं कर सकता । उन्नति तो उसकी तभी होगी जब वह अपने चरित्र को निर्मल बनाए तथा गुणों का विकास करे । 1 + 2 = 3

अथवा

(स) ग्रेजुएट नवयुवक मुझे बता रहा था कि कन्याकुमारी की आठ हजार की आबादी में कम-से-कम चार-पाँच सौ शिक्षित नवयुवक ऐसे हैं जो बेकार हैं । उनमें से सौ के लगभग ग्रेजुएट हैं । उनका मुख्य धन्धा है नौकरियों के लिए अर्जियाँ देना और बैठकर आपस में बहस करना । वह खुद वहाँ फोटो-अलबम बेचता था । दूसरे नवयुवक भी उसी तरह के छोटे-मोटे काम करते थे । "हम लोग सीपियों का गूदा खाते हैं और दार्शनिक सिद्धान्तों पर बहस करते हैं," वह कह रहा था ।

1 + 2 = 3

DO NOT WRITE ANYTHING HERE